IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 1 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

एमएसओई-002

(हिन्दी माध्यम)

FROM PREVIOUS YEAR PAPER's

IMPORTANT QUESTION ANSWER's

Guess Paper / Exam Notes

By India's No.1 - Mother Publication

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

खंड—I

20 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 500-600 शब्द

प्रश्न - 'सेटलमेंट सोसाइटीज़' क्या है? इंडियन डायस्पोरा की सिविलाइज़ेशनल थ्योरी के साथ इसका संबंध समझाएँ।

उत्तर- **परिचय**

'सेटलमेंट सोसाइटीज़' शब्द का मतलब उन लोगों की कम्युनिटी से है जो अपनी ज़मीन छोड़कर किसी नए इलाके में परमानेंट या सेमी-परमानेंट घर बसाते हैं। व्यापार, मज़दूरी या तीर्थयात्रा के लिए कुछ समय के लिए माइग्रेशन करने के उलट, सेटलमेंट सोसाइटीज़ का मकसद **लंबे समय तक बसना होता** है, और वे अक्सर अपने कल्चरल, सोशल और इकोनॉमिक तरीकों को साथ लाते हैं। ये सोसाइटीज़ अपने देश और होस्ट देश के बीच एक पुल बनाती हैं, जिससे कल्चरल पहचान, सोशल नियम और इकोनॉमिक नेटवर्क बने रहते हैं। इंडियन डायस्पोरा के मामले में , सेटलमेंट सोसाइटीज़ ने होस्ट सोसाइटी के साथ बातचीत करते हुए भारत के साथ कनेक्शन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।

सेटलमेंट सोसाइटी की खासियतें

सेटलमेंट सोसाइटी में आम तौर पर कई खासियतें होती हैं:

1. **कल्चरल कंटिन्यूटी** – सदस्य अपनी जगह की भाषाएं, धार्मिक रीति-रिवाज, त्योहार और रीति-रिवाज बनाए रखते हैं।
2. **सामाजिक मेलजोल** – मजबूत रिश्तेदारी नेटवर्क और कम्युनिटी संगठन सामाजिक सपोर्ट और झगड़े सुलझाने में मदद करते हैं।
3. **आर्थिक अनुकूलन** - बस्ती समाज अक्सर उद्यमशीलता, व्यापार, या कुशल व्यवसायों में संलग्न होते हैं, और मेजबान समाज के साथ आर्थिक रूप से एकीकृत होते हैं।
4. **इंस्टीट्यूशनल प्रेजेंस** – मंदिर, कल्चरल एसोसिएशन, स्कूल और कम्युनिटी सेंटर बनाने से पहचान की सुरक्षा मज़बूत होती है।

उदाहरण के लिए, कैरिबियन, फिजी और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय समुदायों ने स्थायी बस्ती समाज बनाए, जिन्होंने स्थानीय माहौल के हिसाब से ढलते हुए अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखा।

सिविलाइज़ेशनल थ्योरी

के साथ रिश्ता इंडियन डायस्पोरा की सिविलाइज़ेशनल **थ्योरी इस बात** पर ज़ोर देती है कि दुनिया भर में इंडियन कम्युनिटी सिर्फ़ माइग्रेंट्स का एक ग्रुप नहीं है, बल्कि यह **इंडिया के सिविलाइज़ेशनल एथोस को आगे बढ़ाता** है। इस थ्योरी के अनुसार, इंडियन माइग्रेशन की जड़ें **कल्चरल वैल्यूज़, स्पिरिचुअल विश्वासों, सोशल नॉर्म्स और नॉलेज सिस्टम** के ट्रांसमिशन में गहराई से जुड़ी हैं, जो ज्योग्राफिकल बाउंड्रीज़ के

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

पार भी बनी रहती हैं। इस मामले में सेटलमेंट सोसाइटीज़ बहुत ज़रूरी हैं क्योंकि वे विदेशों में **इंडियन सिविलाइज़ेशन के जीवित रिपॉजिटरी** के तौर पर काम करती हैं।

ये समाज बाहर से आए लोगों को ये चीज़ें रखने और फैलाने की इजाज़त देते हैं:

- **धार्मिक और आध्यात्मिक रीति-रिवाज:** मंदिर, गुरुद्वारे , मस्जिद और कम्युनिटी सेंटर भारत के आध्यात्मिक माहौल को दिखाते हैं।
- **सांस्कृतिक परंपराएँ:** भाषा स्कूल, त्योहार, संगीत और नृत्य भारत की सभ्यता की विरासत को बनाए रखते हैं।
- **सामाजिक संस्थाएं:** जाति संघ, प्रोफेशनल नेटवर्क और आपसी मदद करने वाली संस्थाएं, देश के सामाजिक-संगठनात्मक ढांचे को दिखाती हैं।

इन चीज़ों को बचाकर, बसे हुए समाज **भारतीय संस्कृति को पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद करते हैं** और बाहर रहने वाले लोगों की सभ्यता की पहचान को मज़बूत करते हैं , जिससे अपनेपन और निरंतरता की भावना पैदा होती है।

निष्कर्ष

संक्षेप में, सेटलमेंट सोसाइटी हैं **माइग्रेंट कम्युनिटी जो अपनी कल्चरल पहचान को बचाए रखते हुए विदेशी ज़मीनों में अपनी जड़ें जमाती हैं। उनका होना भारतीय** सभ्यता के मूल्यों की मज़बूती को दिखाता है और भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले के तौर पर डायस्पोरा की भूमिका पर ज़ोर देता है। बसे हुए समाजों के ज़रिए, इंडियन डायस्पोरा यह दिखाता है कि माइग्रेशन सिर्फ़ एक आर्थिक या डेमोग्राफिक घटना नहीं है, बल्कि एक **सभ्यता की प्रक्रिया** है, जिससे भारतीय संस्कृति दुनिया भर में फल-फूल रही है और साथ ही अलग-अलग मेज़बान माहौल में ढल रही है।

प्रश्न - भारतीय प्रवासियों के प्रति नेहरूवादी नीति को समझाइए।

उत्तर- इंडियन डायस्पोरा के लिए नेहरूवादी पॉलिसी का मतलब है, भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू (1947–1964) की लीडरशिप में विदेश में रहने वाले भारतीयों से जुड़ने का तरीका। यह पॉलिसी भारत की आज़ादी के बाद की फॉरेन पॉलिसी के मकसद, देश में देश बनाने की प्रायोरिटी और नेहरू के भारत के ग्लोबल ऑर्डर में एक सेक्युलर, डेमोक्रेटिक और नॉन-अलाइंड देश के नज़रिए से बनी थी।

ऐतिहासिक संदर्भ

आज़ादी के समय, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, कैरिबियन, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे इलाकों में काफी संख्या में भारतीय प्रवासी मौजूद थे। इनमें से कई समुदाय कॉलोनियल काल के दौरान बंधुआ मज़दूरों, व्यापारियों या प्रोफेशनल्स के तौर पर बसे थे। प्रवासी लोगों के प्रति नेहरू का नज़रिया विदेशों में भारतीयों के ऐतिहासिक अनुभवों, एंटी-कॉलोनियल आंदोलनों में उनके योगदान और भारत की इंटरनेशनल पहचान बनाने की ज़रूरत से प्रभावित था।

नेहरू की पॉलिसी

के सिद्धांत: विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए नेहरू की पॉलिसी कल्चरल डिप्लोमेसी, पॉलिटिकल दखल न देना और इकोनॉमिक जुड़ाव के मेल पर आधारित थी। एक खास सिद्धांत **होस्ट देशों के घरेलू मामलों में दखल न देना था**। नेहरू का मानना था कि विदेश में रहने वाले भारतीयों के प्रति भारत की नैतिक और कल्चरल ज़िम्मेदारी है, लेकिन वह पॉलिटिकल एक्टिविज़्म या दखल को बढ़ावा देकर दूसरे देशों के साथ अपने रिश्तों से समझौता नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, केन्या, युगांडा और साउथ अफ्रीका जैसे अफ्रीकी देशों में, नेहरू ने लगातार ऐसी किसी भी पॉलिसी का विरोध किया, जिसे लोकल गवर्नेंस में भारत की दखलंदाज़ी माना जा सकता था, भले ही वहां रहने वाले भारतीयों के साथ भेदभाव की चिंता थी।

नेहरू की पॉलिसी का एक और पिलर **कल्चरल और इमोशनल कनेक्टिविटी था**। भारत ने भारतीय भाषाओं, कल्चर और परंपराओं को बढ़ावा देकर अपने डायस्पोरा के साथ रिश्ते बनाए रखने की कोशिश की। इन कनेक्शन को मज़बूत करने के लिए एजुकेशनल एक्सचेंज, स्कॉलरशिप और कल्चरल डेलीगेशन का इस्तेमाल किया गया। नेहरू ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विदेश में रहने वाले भारतीय, चाहे उनकी नेशनैलिटी कुछ भी हो, एक साझी विरासत का हिस्सा हैं और भारत के कल्चर और वैल्यूज़ के इनफॉर्मल एम्बेसडर के तौर पर काम कर सकते हैं।

आर्थिक और विकास से जुड़ा जुड़ाव:

नेहरू ने घरेलू विकास और इंडस्ट्रियलाइज़ेशन को प्राथमिकता दी, लेकिन उन्होंने विदेशों में रहने वाले लोगों की आर्थिक मदद करने की क्षमता को भी पहचाना। विदेश में रहने वाले भारतीयों पर राजनीतिक दबाव डाले बिना भारत के विकास में मदद करने के लिए पैसे भेजने और

FOR MORE PDF-9485943709
All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

व्यापार संबंधों को बढ़ावा दिया गया। नेहरू के नेतृत्व में भारत सरकार ने मेज़बान देशों के साथ आर्थिक बातचीत बढ़ाने के लिए सही माइग्रेशन, प्रोफेशनल मौकों और दोतरफ़ा समझौतों को आसान बनाने पर ध्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय और राजनयिक

आयाम नेहरूवादी डायस्पोरा पॉलिसी भारत की बड़ी फॉरेन पॉलिसी, खासकर **नॉन-अलाइमेंट के प्रति उसके कमिटमेंट और नए आज़ाद देशों को सपोर्ट के साथ जुड़ी हुई थी। अपने** डायस्पोरा के साथ कल्चरल लिंक बनाए रखते हुए खुद को सभी देशों का दोस्त बनाकर , भारत ने एक सॉफ्ट पावर वाला नज़रिया दिखाया जिससे उसकी इंटरनेशनल इमेज मज़बूत हुई। विदेश में रहने वाले भारतीयों को भारत और उनके होस्ट देशों के बीच पुल के तौर पर देखा गया, जो नेहरू के न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों को कमज़ोर किए बिना भारत की डिप्लोमैटिक पहुंच में योगदान दे रहे थे।

निष्कर्ष

असल में, इंडियन डायस्पोरा के लिए नेहरू की पॉलिसी में कल्चरल अफिनिटी, इकोनॉमिक एंगेजमेंट और पॉलिटिकल नॉन-इंटरफेरेंस को बैलेंस किया गया था। इसकी खासियत सॉफ्ट पावर, एथिकल रिस्पॉन्सिबिलिटी और होस्ट देशों की सॉवरेनिटी के सम्मान पर फोकस थी। एक्टिव पॉलिटिकल मोबिलाइज़ेशन के मामले में लिमिटेड होने के बावजूद, इसने इंडिया की बाद की डायस्पोरा पॉलिसी की नींव रखी, जिसमें इकोनॉमिक, कल्चरल और स्ट्रेटेजिक बातें शामिल थीं।

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT -
HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST
ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905
OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

प्रश्न - भारतीय प्रवासी -स्वदेश संबंधों को सक्रिय करने के लिए नई नीतियों की जांच करें।

उत्तर- **भारतीय प्रवासी-स्वदेश संबंधों को सक्रिय करने के लिए नई नीतियां**

1. **ग्लोबल एक्सेस टू टैलेंट फ्रॉम इंडिया (GATI) फाउंडेशन**
   - मई 2025 में, भारत ने विदेश मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने मिलकर **GATI फाउंडेशन लॉन्च किया।**
   - इसका मुख्य मकसद भारतीय प्रोफेशनल्स—खासकर स्किल्ड वर्कर्स—की ग्लोबल मोबिलिटी को आसान बनाना और आसान बनाना है, जिससे विदेश में मौजूद टैलेंट और भारत की डेवलपमेंट ज़रूरतों के बीच लिंक मजबूत हो सके।
   - विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए मिलकर काम करने, इन्वेस्ट करने या काम पर लौटने के लिए स्ट्रक्चर्ड रास्ते बनाकर, GATI डायस्पोरा टैलेंट को भारत की इकॉनमी के लिए एक स्ट्रेटेजिक एसेट में बदलने में मदद करता है।
2. **डिजिटल और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना**
   - UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस) को विदेशों में भी बढ़ाया गया है (जैसे, UAE, सिंगापुर, फ्रांस) ताकि विदेशों में रहने वाले लोगों के साथ पैसे भेजना और फाइनेंशियल रिश्ते आसान हो सकें।
   - इस तरह के फाइनेंशियल इंटीग्रेशन से भारत को डायस्पोरा से भेजे गए पैसे का ज़्यादा अच्छे से फ़ायदा उठाने में मदद मिलती है, और यह भारतीय प्रोजेक्ट्स में डायस्पोरा की तरफ़ से होने वाले इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देता है।
3. **इवेंट्स और पहचान के ज़रिए डायस्पोरा से जुड़ाव बढ़ाना**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 44 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

- **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** : जनवरी 2025 में 18वें PBD (ओडिशा) की थीम " विकसित भारत में डायस्पोरा का योगदान" थी, जिसमें देश के विकास में डायस्पोरा की भूमिका पर ज़ोर दिया गया।
- इसके अतिरिक्त, एक विशेष *प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना* शुरू की गई - जिसमें " प्रवासी" भी शामिल है भारतीय एक्सप्रेस" टूरिस्ट ट्रेन — बाहर से आए विज़िटर्स को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जानकारी देगी।
- या इन्वेस्टमेंट के मौकों की जगह के तौर पर भी दिखाया जाता है।

4. **भारत को जानें कार्यक्रम (KIP) – अपडेटेड गाइडलाइंस**
   - विदेश मंत्रालय ने प्रवासी युवाओं (उम्र 21-35) को टारगेट करने के लिए KIP **को अपडेट (2024–25) किया है** , जिससे उन्हें भारत के राजनीतिक संस्थानों, तकनीकी उपलब्धियों और स्टार्टअप इकोसिस्टम के बारे में पता चल सके।
   - डायस्पोरा की एक "कनेक्टेड पीढ़ी" बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो आधुनिक भारत को समझती है और इसके भविष्य के विकास में योगदान दे सकती है - सामाजिक, सांस्कृतिक या आर्थिक रूप से।
5. **कल्याण और संरक्षण तंत्र**
   - मदद **पोर्टल विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए** एक ज़रूरी शिकायत सुलझाने का टूल बना हुआ है, जो कानूनी मामलों, इमरजेंसी **में** देश वापस लाने और कॉन्सुलर मदद में मदद करता है।
   - इंडियन **कम्युनिटी वेलफेयर फंड (ICWF) का इस्तेमाल** दूसरे देशों में परेशान प्रवासी सदस्यों की मदद के लिए किया जाता है।
   - डायस्पोरा और भारतीय सरकार के बीच भरोसा मज़बूत करते हैं — जिससे यह पक्का होता है कि विदेश में रहने वाले नागरिक मुश्किल समय में सपोर्ट महसूस करें।
6. **विज्ञान और अनुसंधान सहयोग**
   - **VAJRA फैकल्टी स्कीम** जैसी स्कीम के ज़रिए , भारत डायस्पोरा साइंटिस्ट और रिसर्चर को भारतीय संस्थानों में वापस आने (या उनके साथ मिलकर काम करने) के लिए बढ़ावा दे रहा है।
   - यह "ब्रेन गेन" पॉलिसी ग्लोबल नॉलेज के ट्रांसफर, भारत के रिसर्च लैंडस्केप को मज़बूत करने और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी है।
7. **डायस्पोरा बॉन्ड और निवेश चैनल** *(हालांकि हाल ही में यह कम एक्टिव है, लेकिन अभी भी पॉलिसी डिस्कोर्स का हिस्सा है)*
   - पहले, इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट की ज़रूरतों के लिए NRIs और PIOs से इन्वेस्टमेंट लाने के लिए डायस्पोरा बॉन्ड का प्रस्ताव दिया गया है।
   - इसके साथ ही, सरकार डायस्पोरा को भारतीय स्टार्ट-अप, रियल एस्टेट और स्ट्रेटेजिक सेक्टर में इन्वेस्ट करने के लिए बढ़ावा देती है — उन्हें न सिर्फ़ पैसे भेजने वाले के तौर पर बल्कि एक्टिव इन्वेस्टर के तौर पर भी पेश करती है।
8. **क्षेत्रीय स्तर पर जुड़ाव: राज्य-स्तरीय प्रवासी केंद्र**
   - कुछ भारतीय राज्य अपने खुद के डायस्पोरा एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म लॉन्च कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, पंजाब सरकार ने राज्य-स्तरीय विकास परियोजनाओं में NRI फंड को चैनल करने के लिए **रंगला पंजाब सोसाइटी बनाई है।** द
   - देश के विकास में डायस्पोरा की ज़्यादा सीधी और लोकल भागीदारी हो पाती है।

इन नीतियों के निहितार्थ

- **इकोनॉमिक फ़ायदा : रेमिटेंस,** डायस्पोरा इन्वेस्टमेंट और टैलेंट रिटर्न (GATI के ज़रिए) को मिलाकर , भारत अपने ग्लोबल डायस्पोरा का इस्तेमाल न सिर्फ़ फंड के सोर्स के तौर पर कर सकता है, बल्कि एक स्ट्रेटेजिक ग्रोथ इनेबलर के तौर पर भी कर सकता है।
- **सॉफ्ट पावर को मज़बूत करना** : कल्चरल प्रोग्राम (PBD, KIP) देश की पहचान को मज़बूत करते हैं, अच्छी भावना बनाते हैं, और दुनिया भर में भारत की विरासत को दिखाते हैं।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources